

श्री मधु लिमये : इस तरह कार्यवाही नहीं चल सकती है ।

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अध्यक्ष महोदय
(Interruptions).

श्री मधु लिमये : आप ने पहले कहा कि हमारी बातें सुनने के पश्चात् आप निर्णय करेंगे । फिर आप बदल गए ।
(Interruptions).

श्री स० मो० बनर्जी (कानपुर)
सारा देश आप की तफ देख रहा है ।
(Interruptions). ***

Mr. Speaker: When more than one hon. Member speaks, it should not be recorded. I have said that already.
(Interruptions).

श्री मधु लिमये : श्री हो० ना० मुखर्जी को सुनने के बाद आप ने यह कहा था कि आप तथ्यों के बारे में विरोधी दल के सदस्यों को सुनने के बाद अपना फैसला देंगे । लेकिन जब यहां पर तथ्यों के बारे में कहा जाता है, तो आप कहते हैं कि तथ्यों में नहीं जा सकते । तो आखिरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को लकवा मारा है या नहीं

कुछ माननीय सदस्य : नहीं ।

श्री मधु लिमये : वहां का शासन समाप्त हुआ है या नहीं,

कुछ माननीय सदस्य : नहीं ।

श्री मधु लिमये : य तो तथ्यों की चर्चा कर के ही साबित किया जा सकता है । मैं आप से यह जानना चाहता हूं कि जब आप ने 15 फरवरी, 1966 को यह एडजर्नमेंट मोशन स्वीकार किया :

"The situation arising out of Kerala Bandh and complete collapse of the administration".

तो क्या आप ने उस वक्त तथ्यों के बारे में ..

अध्यक्ष महोदय : मैंने सुन लिया है ।

श्री मधु लिमये : नहीं सुना है । आप हम लोगों को फिर मौका दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने सारी बात सुननी चाही थी । मैंने कहा था कि अगर मेम्बर साहबान चाहते हैं तो बाकी बहस की जरूरत नहीं है । लेकिन जब मेम्बर साहबान ने कहा कि हम जरूर बहस करेंगे तो मेरे लिए कोई चारा नहीं रह गया ।

श्री स० मो० बनर्जी : हम लोगों ने कहा था कि आप दूसरे मेम्बरों को सुनने के बाद मेम्बरों को चैम्बर में बुलाइये ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, आप कानून और मर्यादा, सब कुछ तोड़ रहे हैं । इस तरह कार्यवाही नहीं चलेगी ।

NAVAL CEREMONIAL CONDITIONS OF SERVICE AND MISCELLANEOUS (AMENDMENT) REGULATIONS, 1966

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri A. M. Thomas): I beg to lay on the Table a copy of the Naval Ceremonial Conditions of Service and Miscellaneous (Amendment) Regulations, 1966, published in Notification No. S.R.O. 5-E in Gazette of India dated the 31st May, 1966, under section 185 of the Navy Act, 1957. [Placed in Library. See No. LT-6427/66].

POWERLOOM ENQUIRY COMMITTEE REPORT ETC.

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): I beg to lay on the Table:—

- (i) A copy of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control (Amendment) Order, 1966 published in Notification No. S.O. 633 in Gazette of India dated the

25th February, 1966, under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodities Act, 1955.

- (ii) A statement showing reasons for delay in laying the above notification.

[Placed in Library. See No. LT-6428/66].

- (iii) A copy of Government Resolution No. 9(42)-TEX(C)/64 dated the 2nd June, 1966 on the recommendations made in the Powerloom Enquiry Committee Report. [Placed in Library. See No. LT-6429/66].

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): On what item of the agenda are we now? I am not able to follow.

Mr. Speaker: We are now on Item 10-A. Perhaps, it is not there in your list.

श्री मधु लिमये : इस तरह से नहीं हो सकता है। (Interruptions).

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, (Interruptions).

Shri Hari Vishnu Kamath: I want to speak on item No. 7.

Mr. Speaker: Yes, he might do that now. But if there is a determined big to see that the proceedings are obstructed, what can I do?

श्री मधु लिमये : गलत कार्यवाही नहीं चल सकती है। आप कानून और मर्यादा से वाकिफ हैं और हम भी वाकिफ हैं। (Interruptions).

अध्यक्ष महोदय : अगर श्री मधु लिमये का मतलब यह है कि जिस कार्यवाही को वह ठीक समझें, वह चले और जिस कार्यवाही को मैं ठीक समझूँ, वह नहीं चलेगी और वह गलत है, तो इस को नहीं माना जा सकता है। (Interruptions).

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, आप फ्रैंसला दे चुके हैं। इसको आप कैसे रोक सकते हैं? क्या उत्तर प्रदेश में आदमी नहीं रहते हैं? (Interruptions).

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल नहीं है। मैंने इन बारे में अपना फ्रैंसला दे दिया है।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय,—

अध्यक्ष महोदय : श्री मधु लिमये अब बैठ जायें।

श्री मधु लिमये : आप मेरा निवेदन सुनिये।

अध्यक्ष महोदय : मैं नहीं सुन सकता हूँ। आप मुझे जान बुझ कर आबस्ट्रक्ट न कीजिए।

श्री मधु लिमये : आप ने कहा कि आप तथ्यों को सुनेंगे और फिर आप निर्णय देंगे, लेकिन अब आप बदल गए हैं। (Interruptions).

अध्यक्ष महोदय : यह एक आदत सी हो गई है कि स्पीकर पर चार्ज लगाए जाते हैं। (Interruptions).

श्री मधु लिमये : चार्ज क्या लगाया गया है?

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय... (Interruptions).

13.10 hrs.

RE: MOTIONS FOR ADJOURNMENT AND CALLING ATTENTION NOTICES—contd.

SITUATION IN UTTAR PRADESH—Contd.

Mr. Speaker: I enquired from the Member.... (Interruption).

Shri H. N. Mukerjee: You could hold it over..... (Interruption).

Mr. Speaker: I tried my best. I agreed and said that I would listen to that, but I said simultaneously that I would not listen to others.

फिर दूसरों ने भी जिद् की कि हम भी बोलेंगे तो मेरे लिए और कोई चारा नहीं रहता... व्यवधान मिस्टर बैनर्जी, आप खामखाह